

सकता है. अतः बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताएं, अनुभवों को साझा करें, उनके विचारों और चिंताओं को सुनें, तारीफ करें, उनकी शिक्षा में रुचि दिखाएं. अपने निर्णय थोपने या उनके समस्याओं को हल करने के बजाय उन्हें निर्णय लेने, परस्थिति का सामना करने, समस्याओं को हल करने, तर्कपूर्ण बनने में मदद करें.

# किशोरों के साथ सकारात्मक अनुशासन का तरीका:

- यह समझने की कोशिश करें कि आपके बच्चे स्थिति को कैसे देखते हैं.
- अपने बच्चे से उनके कार्यों के परिणामों के बारे में सोचने के लिए कहें.
- उन्हें गलती के बारे में बताये और उसे सुधारने में मदद करें.
- घर के कायदा-कानून या नियम बनाने में उनकी राय लें.
- उपदेश के बजाय, उनकी बातों को समझने की कोशिश करें और अपना तर्क रखें.
- आप गुस्सा दिखा सकते हैं, लेकिन प्यार करना बंद नहीं कर सकते.

किशोरावस्था में भटकाव की संभावना ज्यादा होती है. नशापान जैसे अवगुण बच्चे संगत में प्रयोग के तौर पर शुरू करते हैं. अतः बच्चों के दोस्तों के बारे में जानकारी अवश्य रखें. वे परिवार के बाहर मार्गदर्शन और रोल मॉडल की तलाश कर सकते हैं. यही नहीं वे माता-पिता की तुलना में साथियों के साथ अधिक बातचीत करना पसंद करते हैं. अपनी पसंद और निर्णय लेने की चाहत के कारण कभी-कभी उनका रवैया विद्रोही हो सकता है और वे चुनौतीपूर्ण और आक्रामक हो सकते हैं. इन सभी से विचलित न हों. आपका संयमित व्यवहार उनके आक्रामकता को नियंत्रित कर